माकपा का प्रेस वक्तव्य

रांची, 29 नवंबर, 2021

अल्पसंख्यकों पर बढते हमलों के खिलाफ माकपा 1 दिसंबर को देशव्यापी विरोध दिवस आयोजित करेगी

किसान आंदोलन से ध्यान हटाने के लिए आरएसएस और भाजपा ने अपने सांप्रदायिक धुव्रीकरण के एजेंडे के तहत पुरे देश मे नफरत का जहर फैलाने की साजिश को और तेज कर दिया है.

गुरुग्राम मे अल्पसंख्यकों को नमाज पढ़ने से रोकना, त्रिपुरा और आसाम मे भाजपा सरकार के संरक्षण मे सुनियोजित तरीके से मस्जिदों और अल्पसंख्यकों के रिहायशी इलाकों पर हमले कर अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को मौत के घाट उतारे जाने की घृणित घटनाएं हमारे देश के धर्मनिरपेक्ष संविधान और साझी संस्कृति की गौरवशाली परंपरा पर नंगा हमला है.

झारखंड मे भी भाजपा के शासनकाल मे 26 मौब लिचिंग की खौफनाक घटनाओं ने अल्प संख्यक समुदाय को भय के वातावरण मे रहने के मजबूर कर दिया था. लेकिन झारखंड मे सरकार बदलने के बाद भी वातावरण को विषाक्त करने की इन नफरती ताकतों का विभाजन कारी षड्यंत्र जारी है. अभी हाल मे ही राजधानी रांची मे एक संडक का नाम जो काफी समय से एक अल्पसंख्यक समुदाय के प्रतिष्ठित व्यक्ति के नाम से है उसे इन तत्वों के इशारे पर बदल कर बजरंग नगर कर दिया गया और इसकी अगुवाई रांची नगर निगम के उप महापौर कर रहे थे. जबकि किसी रोड या लेन का नाम नगर निगम मे प्रस्ताव लाकर ही किया जा सकता है. इस प्रकार उप महापौर ने एक गैर कानूनी काम किया है. सांप्रदायिक उन्माद बढ़ाने की अगली कड़ी मे कल ही कश्मीरी युवकों पर जो फेरी का काम करते हैं सांप्रदायिक तत्वों ने जानलेवा हमला कर उन्हें बुरी तरह घायल कर दिया. कश्मीरी व्यापारियों के साथ रांची मे इस प्रकार की घटनायें पिछले दो साल मे पांच बार हो चुकी हैं. हालांकि मुख्यमंत्री ने इस घटना के बाद सभी जिलों के एस. पी. को निर्देश देकर असमाजिक तत्वों पर कार्रवाई करने के लिए कहा है. लेकिन मौब लिचिंग के पुराने मामले के पीड़ितों को राहत दिए जाने का काम बाकी है.

माकपा का राज्य सचिवमंडल पार्टी की सभी इकाइयों का आह्वान करता है कि 1 दिसंबर को अल्पसंख्यक समुदाय पर बढ रहे हमलों के विरुद्ध लोकल कमिटी स्तर पर एकजुटता कार्यक्रम आयोजित किया जाय.

प्रकाश विप्लव

राज्य सचिव